भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
20.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4391 का उत्तर

थावे जंक्शन के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना

4391. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि थावे जंक्शन स्टेशन को विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किया गया है और उक्त योजना के अंतर्गत कार्य पूरे हो चुके हैं;
(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार से वित्तीय सहायता नहीं मिलने के कारण उक्त योजना के अंतर्गत कुछ कार्य लंबित हैं और यथासमय पूरे हो जाएँगे और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या यह सच है कि उक्त योजना के अंतर्गत कार्य पूरा होने के बाद, देश के विभिन्न स्टेशनों तक सुपर ट्रेन की सुविधा पहुँचाने के लिए स्टेशनों का विकास किया जाएगा;
(ङ) उक्त योजना के अंतर्गत थावे जंक्शन स्टेशन के लंबित कार्यों का ब्यौरा क्या है;
(च) उक्त योजना के अंतर्गत अब तक स्वीकृत और व्यय की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है और उक्त योजना के अंतर्गत शेष धनराशि स्वीकृत करने की निर्धारित समय-सीमा क्या है; और
(छ) क्या सरकार इस योजना के अंतर्गत थावे जंक्शन के विकास कार्य की निगरानी कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत थावे स्टेशन को विकास के लिए चिह्नित किया गया है। थावे स्टेशन के विकास के लिए शुरू किए गए निर्माण कार्य पूरे हो

चुके हैं, जिनमें स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, पहुँच मार्ग, प्रवेश द्वार, बुकिंग काउंटर, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र का सुधार, प्लेटफ़ॉर्म का विस्तार करना, प्लेटफ़ॉर्म सतह को ऊँचा करना, प्लेटफ़ॉर्म सतह में सुधार, साइनेज, नए शौचालय, नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर आदि कार्य शामिल हैं।

ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने और बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिए, भारतीय रेल ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों के सुधार के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका कार्यान्वयन शामिल है। मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्टेशन तक पहुँच और परिचलन क्षेत्र में सुधार
- स्टेशन को शहर के दोनों हिस्सों से एकीकृत करना
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालयों, शौचालयों, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैम्प का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान।

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार गिट्टी रहित पटरियों आदि का प्रावधान तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

इस योजना के अंतर्गत, बिहार राज्य में स्थित थावे स्टेशन सहित 98 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। बिहार राज्य में इस योजना के अंतर्गत चिह्नित स्टेशनों की सूची निम्नानुसार है:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बरहिया, बरौनी, बाढ़, बारसोई जंक्शन, बेगुसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहारशरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौराम मधेपुरा, डेहरी ऑनसोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गौती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन, जमालपुर जंक्शन, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, झंझारपुर, कहलगांव, करहगोला रोड, कटिहार जंक्शन, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखमीनिया, लक्खीसराय जंक्शन, मधुबनी, महेशखूंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मसरख, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर (मोंगहिर), मुजफ्फरपुर जंक्शन, नबीनगर रोड, नरकटियागंज जंक्शन, नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलिपुत्र, पटना जंक्शन, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना), राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहिबपुर कमाल,

		सकरी, सलौना, सालमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढी, सीवान, सोनपुर जंक्शन, सुल्तानगंज, सुपौल, तारेगना, ठाकुरगंज, थावे

बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किया गया है और उपर्युक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- सहरसा स्टेशन: नया प्रतीक्षालय और शौचालय ब्लॉक सहित नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, पार्किंग क्षेत्र में सुधार, परिचलन क्षेत्र का विकास, प्रवेश द्वार, परिचलन क्षेत्र में चाहरदीवारी का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और नए 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का निर्माण कार्य, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का निर्माण शुरू कर दिया गया है।
- सालौना स्टेशन: नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, नए पार्किंग क्षेत्र का विकास, प्लेटफार्म संख्या 2 की सतह को ऊंचा करना तथा उसका सुधार कार्य पूरा हो गया है और नए 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का निर्माण कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 1 की सतह की ऊचांई करने, नए प्लेटफार्म शेल्टर का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- लक्खीसराय स्टेशन: नए स्टेशन भवन और नए शौचालय ब्लॉक का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। नए स्टेशन भवन और शौचालय ब्लॉक की ईंट की चिनाई और प्लास्तर का कार्य, परिचलन क्षेत्र के विकास का कार्य, जल निकासी कार्य, पोर्च निर्माण कार्य शुरू किया गया है।
- गया स्टेशन: द्वितीय प्रस्थान और प्रवेश (पश्चिम की ओर) भवन, मुख्य प्रवेश द्वार (पूर्व की ओर) प्रस्थान भवन, तीर्थ यात्रियों के लिए नया भवन और भूमिगत टैंक का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। दोपहिया वाहनों के लिए बहुस्तरीय पार्किंग की दो नई मंजिलों को चालू किया गया है और साथ ही दो अतिरिक्त मंजिलों पर कार्य शुरू

किया गया है। एयर कॉनकोर्स का निर्माण, स्टेशन भवनों का परिष्करण कार्य, नए प्लेटफार्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र विकास आदि का कार्य शुरू किया गया है।

- मुजफ्फरपुर जंक्शन स्टेशन: नए संयुक्त टर्मिनल भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है और नया टिकट बुकिंग कार्यालय चालू किया गया है। दूसरे प्रवेश द्वार के आगमन और प्रस्थान ब्लॉक भवन और सेवा भवनों के संरचनात्मक कार्य पूरे हो चुके हैं। मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन के निर्माण कार्य, दूसरे प्रवेश द्वार की ओर स्टेशन भवनों के परिष्करण कार्य, पैदल पार पुल का निर्माण, परिचलन क्षेत्र का विकास, उत्थापित सड़क का कार्य शुरू किया गया है।

स्टेशन विकास परियोजनाओं का चरणबद्ध कार्यान्वयन आवश्यकता, मौजूदा अवसंरचना का स्तर, स्टेशन पर आने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन, आस-पास के क्षेत्रों का विकास और स्टेशन के साथ उनका संपर्क, परिवहन के पूरक साधनों में परिवर्तन, निधि की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है। यह एक क्रमिक रूप से विकसित होने वाली प्रक्रिया है, जो कई चरों पर निर्भर करती है और इस स्तर पर कोई समय-सीमा निर्दिष्ट नहीं की जा सकती।

भारतीय रेल में स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकतानुसार, परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/उन्नयन के लिए कार्य को मंजूरी देने और निष्पादित करते समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

निधि का आबंटन:

भारतीय रेल यात्रियों को उन्नत एवं आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल के वर्षों में, रेल मंत्रालय ने ग्राहक सुविधाओं के उन्नयन हेतु पहले की तुलना में भारी

निवेश किया है। 2004-14, 2014-25 और 2025-26 के दौरान योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत व्यय निम्नानुसार है:

अवधि	योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत व्यय
2004-14	₹ 6,733 करोड़
2014-25	₹ 35,591 करोड़
2025-26 (जुलाई, 2025 तक)	₹ 3,701 करोड़

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत निधि आबंटन और व्यय का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। बिहार राज्य पाँच क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष में 6,056 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है जबकि पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष (जुलाई 2025 तक) के दौरान 4,581 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है।

थावे स्टेशन के लिए रेलगाड़ी संपर्कता:

भारतीय रेल अपने नेटवर्क पर और अधिक रेलगाड़ियां चलाने के लिए प्रतिबद्ध है। बहरहाल, किसी भी मार्ग/खंड पर नई रेलगाड़ियां शुरू करना, मौजूदा रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि, मौजूदा रेलगाड़ियों का विस्तार आदि कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- उस खंड की क्षमता
- पथ की उपलब्धता
- आवश्यक चल स्टॉक की उपलब्धता

- चल स्टॉक के लिए उपयुक्त अवसंरचना की उपलब्धता
- रेलपथ और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता

उपर्युक्त कारकों को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान में, 06 मेल/एक्सप्रेस और 22 पैसेंजर नियमित रेलगाड़ियाँ थावे स्टेशन के यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं। ये सेवाएँ सीवान, पाटलिपुत्र, गोरखपुर आदि जैसे विभिन्न गंतव्यों के लिए संपर्कता प्रदान कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, 05305/06 छपरा-आनंद विहार (टी) स्पेशल और 05059/60 कोलकाता-लालकुआँ स्पेशल सेवाएं दिल्ली और कोलकाता क्षेत्र के लिए संपर्कता मुहैया करा रही हैं। इसके अलावा, थावे के यात्रियों को अतिरिक्त सेवाएँ प्रदान करने के लिए, 19045/46 सूरत-छपरा एक्सप्रेस का विस्तार थावे तक करने का भी निर्णय लिया गया है।

इसके अतिरिक्त, सीवान जो थावे से 28 कि.मी. की दूरी पर स्थित है, मुंबई, दिल्ली आदि महानगरों से भी भली-भांति जुड़ा हुआ है जिसका लाभ थावे के यात्री भी उठा सकते हैं।

रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने और इस प्रकार अधिक रेलगाड़ियां चलाने के लिए भारतीय रेल ने बड़े पैमाने पर नेटवर्क विस्तार का कार्य शुरू किया है।

******